**OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR**
**Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)**
Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

**E-mail: hegtdcano@mp.gov.in** ☎9893076404

E-Seminar on Nature & Environment in Indian Thought (22-04-2021)

# भारतीय चिंतन में प्रकृति और पर्यावरण

## विश्व वसुंधरा दिवस

22 अप्रैल 2021

**अनूपपुर का परिचय**

**मध्य प्रदेश का यह अनूपपुर जिला राज्य के दक्षिण पूर्वी भाग में स्थित है। इसका गठन 15 अगस्त, 2003 को शहडोल जिले से अलग करके किया गया था। आदिकाल से इस जिले का अपना एक महत्व रहा है। विंध्य और मैकल पर्वत श्रेणियों की उत्कृष्टता में लिप्त, शानदार अमरकंटक मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में सबसे प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों में से एक है। यह रमणीक स्थल, दो प्रसिद्ध नदियों, माँ नर्मदा एवं सोन की उत्पत्ति के रूप में जाना जाता है, जो अमरकंटक के बारे में कई कहानियों को बयां करता हैं। यह स्थान पवित्र नदियों के उद्गम स्थलों, तालाबों, ऊंची-ऊंची जल धाराओ, पर्वत श्रृंखलाओं, वन संपदा एवं वन्यजीवों और घने जंगलों के साथ अपने आगंतुकों का मनोरंजन करने के लिए आतुर है, जो इस अद्भुत अनूपपुर जिले का एक भूभाग है।**

**महाविद्यालय का परिचय**:

अनूपपुर जिले के जिला मुख्यालय पर तुलसी महाविद्यालय की स्थापना प्रथमतः अशासकीय महाविद्यालय के रूप में विंध्य क्षेत्र के यशस्वी जन नेता स्व.पं. श्री शम्भूनाथ शुक्ल की प्रेरणा एवं पूजनीय अवधूत संत सिरोमणि श्री रामसुभग दास महाराज (फट्टी बाबा) के अथक प्रयास, सहयोग तथा मार्गदर्शन से 25 जुलाई 1972 को हुई थी। 01 अगस्त सन 1986 में महाविद्यालय के शासनाधीन होने के फलस्वरूप

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

**E-mail: hegtdcano@mp.gov.in** ☎9893076404

यहाँ स्नातक स्तर पर कला, वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय के समस्त विषयों का तथा स्नातकोत्तर में हिन्दी, इतिहास, समाज शास्त्र, राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र, वाणिज्य,रसायन शास्त्र एवं वनस्पति शास्त्र का अध्यापन होता है। प्रारम्भ से ही यह महाविद्यालय अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा से संबद्ध है। महाविद्यालय परिसर लगभग 13 एकड़ भूमि का है, जिसमे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए सभी आधारभूत सुविधाएँ जैसे पुस्तकालय, वाचनालय, जनजातीय विभाग से छात्राओं हेतु एक सर्वसुविधा युक्त आदिवासी कन्या छात्रावास, सुसज्जित प्रयोगशालाएँ, क्रीड़ा मैदान, खेल सामग्री, बागवानी, तुलसी औषधीय उद्यान इत्यादि पूर्ण विकसित रूप में उपलब्ध है। यहाँ महाविद्यालयीन शिक्षा में मानवीय मूल्यों के सृजन, आत्मसम्मान, स्वावलंबन के गुणों के विकास के अवसर उपलब्ध हैं। प्रतियोगिता परीक्षाओं एवं रोजगार परामर्श के अवसर उपलब्ध हैं। इस सारस्वत संकल्प में विद्यार्थी, अविभावक एवं शिक्षक शामिल हैं। वास्तव में महाविद्यालयीन छात्रों को पल्लवित-पुष्पित कर उन्हें सुयोग्य, कर्मठ, चरित्रवान तथा निष्ठावान बनाने का यह प्रमुख केंद्र है।

**ई- शोध संगोष्ठी की अवधारणा:**

दुनियाभर में साल में दो दिन पृथ्वी दिवस मनाया जाता है (21 मार्च और 22 अप्रैल) लेकिन, 1970 से हर साल 22 अप्रैल को मनाए जाने वाले विश्व पृथ्वी दिवस का सामाजिक तथा राजनीतिक महत्व है। इसे उत्तरी गोलार्ध के वसंत तथा दक्षिणी गोलार्ध के पतझड़ के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। लेकिन, दुनिया के अधिकांश देशों में अब 22 अप्रैल को ही 'वर्ल्ड अर्थ डे' मनाया जाने लगा। वैसे तो ऐसे कई तरीके हैं जिससे हम अकेले और सामूहिक रूप से धरती को बचाने में योगदान दे सकते हैं। वैसे तो हमें हर दिन को पृथ्वी दिवस मानकर उसके संरक्षण के लिए कुछ न कुछ करते रहना

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

**E-mail: hegtdcano@mp.gov.in** ☎9893076404

चाहिए। लेकिन, अपनी व्यस्तता में व्यस्त इंसान यदि विश्व पृथ्वी दिवस के दिन ही थोड़ा बहुत योगदान दे तो धरती के कर्ज को उतारा जा सकता है।

पृथ्वी बहुत व्यापक शब्द है जिसमें जल, हरियाली, वन्यप्राणी, प्रदूषण और इससे जुड़े अन्य कारक भी हैं। धरती को बचाने का आशय है इसकी रक्षा के लिए पहल करना। न तो इसे लेकर कभी सामाजिक जागरूकता दिखाई गई और न राजनीतिक स्तर पर कभी कोई ठोस पहल की गई। दरअसल पृथ्वी एक बहुत व्यापक शब्द है, इसमें जल, हरियाली, वन्यप्राणी, प्रदूषण और इससे जुड़े अन्य कारक भी शामिल हैं।

धरती को बचाने का आशय है इन सभी की रक्षा के लिए पहल करना। लेकिन इसके लिए किसी एक दिन को ही माध्यम बनाया जाए, क्या यह उचित है? हमें हर दिन को पृथ्वी दिवस मानकर उसके बचाव के लिए कुछ न कुछ उपाय करते रहना चाहिए।

इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि पृथ्वी दिवस को लेकर देश और दुनिया में जागरूकता का भारी अभाव है। सामाजिक या राजनीतिक दोनों ही स्तर पर इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाए जाते। कुछ पर्यावरण प्रेमी अपने स्तर पर कोशिश करते रहे हैं, किंतु यह किसी एक व्यक्ति, संस्था या समाज की चिंता तक सीमित विषय नहीं होना चाहिए! सभी को इसमें कुछ न कुछ आहुति देना पड़ेगी तभी बात बनेगी।

पृथ्वी के पर्यावरण को बचाने के लिए हम ज्यादा कुछ नहीं कर सकते, तो कम से कम इतना तो करें कि पॉलिथीन के उपयोग को नकारें, कागज का इस्तेमाल कम करें और रिसाइकल प्रक्रिया को बढ़ावा दें.. क्योंकि जितनी ज्यादा खराब सामग्री रिसाइकल होगी, उतना ही पृथ्वी का कचरा कम होगा।

**सलाहकार समिति**

1. प्रो. भरत शरण सिंह, अध्यक्ष,निजी वि• वि• नियामक आयोग,भोपाल मध्य प्रदेश

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

**E-mail: hegtdcano@mp.gov.in** ☎9893076404

2• प्रो. दिनेश कुशवाह, विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा (म.प्र.)

3• प्रो. नागेंद्र सिंह, पत्रकारिता एवं जनसंचार, IGNTU

4. प्रो. प्रेम शंकर शुक्ल, विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग, सेठ रघुनाथ प्रसाद महाविद्यालय, हनुमना जिला रीवा (म.प्र.)

5. एडवोकेट श्री एस. के. दुबे, उच्च न्यायालय, इलाहबाद प्रयागराज (उ. प्र.)

6. डॉ.आर.आर.सिंह, युवा अधिकारी, नेहरू युवा केंद्र, अनूपपुर , भारत सरकार

**आयोजन समिति**

1.डॉ• रमेश सिंह बाटे, प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय जैतहरी, अनूपपुर (म.प्र.)

2. डॉ• डी• पी• शार्मे, प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय पुष्पराजगढ, अनूपपुर (म.प्र.)

3• डॉ• जे. के. संत, सहायक प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान विभाग, शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर जिला अनूपपुर (म.प्र.)

(म.प्र.)

4•डॉ. देवेंद्र तिवारी, संचालक, पी.आर.टी. महाविद्यालय, अनूपपुर जिला अनूपपुर (म.प्र.)

5• मनीष कुमार शुक्ला, संचालक टी• पी• शुक्ला शिक्षा महाविद्यालय, व्यंकटनगर

6. डॉ. विवेक पटेल, सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य विभाग, शासकीय महाराजा मार्तण्ड महाविद्यालय, कोतमा जिला अनूपपुर (म.प्र.)

7. श्री ज्ञान प्रकाश पाण्डेय, सहायक प्राध्यापक, समाज शास्त्र विभाग, शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर जिला अनूपपुर (म.प्र.)

8• श्री शाहबाज खान, सहायक प्राध्यापक, वाणिज्य विभाग, शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर जिला अनूपपुर (म.प्र.)

9• श्री विनोद कुमार कोल, सहायक प्राध्यापक, समाज शास्त्र विभाग, शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर जिला अनूपपुर (म.प्र.)

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

**E-mail: hegtdcano@mp.gov.in** ☎9893076404

10• डॉ. तरन्नुम सरवत, अतिथि प्राध्यापक, समाज शास्त्र विभाग, शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर जिला अनूपपुर (म.प्र.)

11• कृष्ण चन्द्र सोनी,हिन्दी विभाग$, शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर जिला अनूपपुर

**संयोजक एवं संरक्षक**

प्रो. परमानन्द तिवारी
प्राचार्य
शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर जिला अनूपपुर (म.प्र.)

**आयोजन सचिव**

डॉ. गीतेश्वरी पाण्डेय
सहायक प्राध्यापक (गणित)
शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर जिला अनूपपुर (म.प्र.)

**प्रतिष्ठित सम्माननीय वक्तागण**

1. **डॉ.ईश्वर सिंह**
   **वरिष्ठ फेलो**
   **भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICSSR)**
2. **डॉ. अमिताभ पाण्डेय**
   **खगोलशास्त्री**

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

**OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR**
**Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)**
Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

**E-mail: hegtdcano@mp.gov.in** ☎9893076404

# प्रतिवेदन

शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 22 अप्रैल 2021 को किया गया, जिसका विषय **"भारतीय चिंतन में प्रकृति और पर्यावरण"** था। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य वक्ता डॉ अमिताभ पाण्डेय, खगोल शास्त्री नई दिल्ली, विशिष्ट वक्ता डॉ ईश्वर सिंह, वरिष्ठ फेलो, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद आईसीएसएसआर रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. परमानंद तिवारी द्वारा की गई। कार्यक्रम के संरक्षक महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. परमानंद तिवारी तथा आयोजन सचिव डॉ गीतेश्वरी पाण्डेय रही। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में कई जिलों व राज्यों से लोगों ने भाग लिया।

PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Distt. Anuppur (M.P.)

प्राचार्य
शा. तुलसी महाविद्यालय
अनूपपुर जिला अनूपपुर (म.प्र.)

**OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR**

**Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)**

Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

**E-mail: hegtdcano@mp.gov.in** ☎9893076404

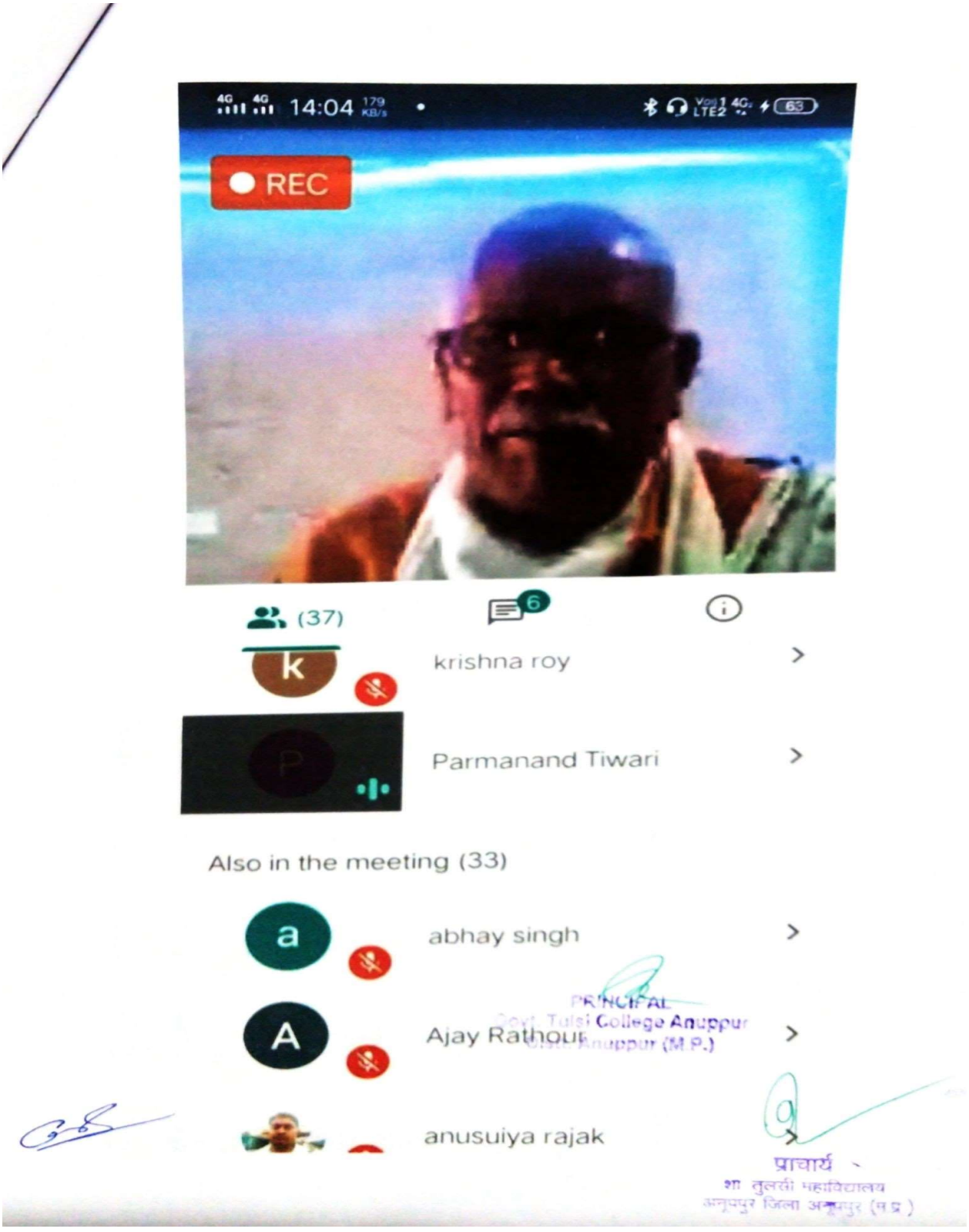


PRINCIPAL
Govt. Tulsi College Anuppur
Dist. Anuppur (M.P.)

प्राचार्य
शा. तुलसी महाविद्यालय
अनूपपुर जिला अनूपपुर (म.प्र.)

OFFICE, PRINCIPAL GOVERNMENT TULSI COLLEGE, ANUPPUR
Affiliated to Awadhesh Pratap Singh University Rewa (MP)
Registered Under Section 2 (F) & 12 (B) of UGC Act

E-mail: hegtdcano@mp.gov.in 9893076404